



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 40]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 31, 2017/माघ 11, 1938

No. 40]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 31, 2017/MAGHA 11, 1938

भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद्

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2017

सं.भा.आ.प.-18(1)/2016-मेडि./165623-भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" में पुनः संशोधन करने के लिए केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामतः:

1. (i) इन विनियमों को "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (संशोधन) विनियमावली, 2016" कहा जाएगा।
(ii) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
2. "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" में निम्नलिखित अभिवर्धन/आशोधन/विलोप/प्रतिस्थापन इसमें दर्शाए गए अनुसार किए जाएंगे:
3. "दाखिल किए जाने वाले स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या" शीर्षक के अंतर्गत खंड 12(1) में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:—
"बशर्ते कि सरकार द्वारा निधिपोषित राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के लिए अध्यापक: छात्र का अनुपात 1:3 और एसोसिएट प्रोफेसर के लिए 1:2 होगा, यदि एसोसिएट प्रोफेसर, सभी नैदानिक विषयों में एक इकाई प्रमुख हैं।"
4. "दाखिल किए जाने वाले स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या" शीर्षक के अंतर्गत खंड 12(2) में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा:—
"बशर्ते कि सरकार द्वारा निधिपोषित राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रोफेसर के लिए अध्यापक: छात्र का अनुपात 1:3 और एसोसिएट प्रोफेसर के लिए 1:2 होगा, यदि एसोसिएट प्रोफेसर, सभी नैदानिक विषयों में एक इकाई प्रमुख हैं।"

डा. रीना नय्यर, प्रभारी सचिव

[विज्ञापन III/4/असा./406/16(100)]

पाद टिप्पणी : प्रधान विनियमावली, नामतः "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" भारत के राजपत्र के भाग-III खंड (4) में 7 अक्टूबर, 2000 को प्रकाशित की गई थी और इसे दिनांक 03/03/2001, 06/10/2001, 16/03/2005, 23/03/2006, 20/10/2008, 25/03/2009, 21/07/2009, 17/11/2009, 09/12/2009, 16/04/2010, 08/12/2010, 27/12/2010, 09/02/2012, 27/02/2012, 28/03/2012, 17/04/2013, 01/02/2016, 17/06/2016 और 08/08/2016 की अधिसूचना के अंतर्गत संशोधित किया गया था।

MEDICAL COUNCIL OF INDIA**NOTIFICATION**

New Delhi, the 31st January, 2017

No. MCI-18(1)/2016-Med./165623.—In exercise of powers conferred by Section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Medical Council of India with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations to further amend the “Postgraduate Medical Education Regulations, 2000” namely:-

1. (i) These regulations may be called the “Postgraduate Medical Education (Amendment) Regulations, 2016.”.
- (ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the “Postgraduate Medical Education Regulations, 2000”, the following additions / modifications / deletions / substitutions, shall be as indicated therein:-
3. In Clause 12(1) under the heading “Number of Postgraduate Students to be admitted”, the following shall be added :-

Provided that in Public funded Government Medical Colleges the teacher:student ratio shall be 1:3 for Professor and 1:2 for Associate Professor if the Associate Professor is a unit head, in all clinical subjects.

4. In Clause 12(2) under the heading “Number of Postgraduate Students to be admitted”, the following shall be added :-

Provided that in Public funded Government Medical Colleges the teacher:student ratio shall be 1:3 for Professor and 1:2 for Associate Professor if the Associate Professor is a unit head, in all clinical subjects.

Dr. REENA NAYYAR, Secy. I/c.

[ADVT.-III/4/Exty./406/16(100)]

Footnote: The Principal Regulations namely, “Postgraduate Medical Education Regulations, 2000” were published in Part III, Section 4 of the Gazette of India on 7th October, 2000 and amended vide Medical Council of India Notification dated 03/03/2001, 06/10/2001, 16/03/2005, 23/03/2006, 20/10/2008, 25/03/2009, 21/07/2009, 17/11/2009, 09/12/2009, 16/04/2010, 08/12/2010, 27/12/2010, 09/02/2012, 27/02/2012, 28/03/2012, 17/04/2013, 01/02/2016, 17/06/2016 and 08/08/2016.